

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 जी.सी.एफ. जबलपुर



द्वितीय त्रैमासिक हिन्दी ई-समाचार पत्रिका (अगस्त-अक्टूबर 2023)

परसाई की कलम से



(22 अगस्त, 1924 - 10 अगस्त, 1995)

"जिन्हें पसीना सिर्फ गर्मी और
भय से आता है, वे श्रम के
पसीने से बहुत डरते हैं।"

TheLallantop.com

हरिशंकर परसाई

(जन्म: 22 अगस्त, 1924-1995) हिंदी के प्रसिद्ध कवि और लेखक थे। उनका जन्म जमानी, होशंगाबाद मध्य प्रदेश में हुआ था।

वे हिंदी के पहले रचनाकार हैं, जिन्होंने व्यंग्य को विधा का दर्जा दिलाया और उसे हल्के-फुल्के मनोरंजन की परंपरागत परिधि से उबारकर समाज के व्यापक प्रश्नों से जोड़ा है। उनकी व्यंग्य रचनाएँ हमारे मन में गुदगुदी पैदा नहीं करतीं, बल्कि हमें उन सामाजिक वास्तविकताओं के आमने-सामने खड़ा करती हैं, जिनसे किसी भी व्यक्ति का अलग रह पाना लगभग असंभव है। लगातार खोखली होती जा रही हमारी सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था में पिस्टे मध्यमवर्गीय मन की सच्चाइयों को उन्होंने बहुत ही निकटता से पकड़ा है। सामाजिक पाखंड और रूढ़िवादी जीवन-मूल्यों की खिल्ली उड़ाने हुए उन्होंने सदैव विवेक और विज्ञान-सम्मत दृष्टि को सकारात्मक रूप में प्रस्तुत किया है। उनकी भाषा-शैली में खास किस्म का अपनापन है, जिससे पाठक यह महसूस करता है कि लेखक उसके सामने ही बैठा है।



**P M
S H R I**
Creating holistic and well-rounded individuals
equipped with key 21st Century skills

प्राचार्य का संदेश



प्रिय शुभचिंतकों , जैसा की विदित है की पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 जी सी एफ जबलपुर द्वारा इस वर्ष से हिन्दी विभाग के माध्यम से अपनी त्रैमासिक हिन्दी ई-समाचार पत्रिका का प्रकाशन प्रारंभ किया है । विद्यालय द्वारा प्रकाशित सभी पत्रिकाएँ विद्यालय में संचालित विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों का दर्पण होती हैं । यह विद्यालय की द्वितीय त्रैमासिक ई-समाचार पत्रिका है, जिसमें विगत तीन माह में आयोजित विद्यालयीन गतिविधियों को संकलित किया गया है । पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु विद्यालय के हिन्दी विभाग एवं संपादक-मंडल द्वारा किया गया प्रयास सराहनीय है ।

-श्री रजनीश कुमार सिंघई

हिन्दी विभाग

संपादक दल



श्री तरुण मेहरा
प्र.स्ना. शिक्षक (हिन्दी)



श्री सर्वजीत राम
प्र.स्ना. शिक्षक (हिन्दी)



श्री आनंद स्वारूप
स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)

सहयोगकर्ता एवं परामर्श समिति



श्रीमति सुनीता लोहरा
स्नातकोत्तर शिक्षिका (हिन्दी)



श्री ब्रजेश विश्वकर्मा
प्र.स्ना. शिक्षक (हिन्दी)



श्री ओ.पी. साहु
प्र.स्ना. शिक्षक (हिन्दी)



श्री अभिषेक कुमावत
प्र.स्ना. शिक्षक (संस्कृत)

भाषा प्रयोगशाला



शिक्षा जीवन का आधार है, इसके बिना सब बेकार है ।

कक्षा गतिविधियाँ



विशेष उपलब्धियाँ

29 अगस्त 2023 को संपन्न नराकास की 61 वीं बैठक में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 जी.सी.एफ. जबलपुर को राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जबलपुर द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।



दिनांक 8 सितम्बर 2023 : पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 जी.सी.एफ. जबलपुर के सभागार कक्ष में विशेष पुनीत सागर अभियान G-20 के अंतर्गत। एमपी आर्म्ड एनसीसी द्वारा भाषण एवं वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई थी इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालय एवं महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट ने भाग लिया मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय प्राचार्य श्री रजनीश कुमार सिंघई एवं कमांडिंग ऑफिसर मेजर अनिल कुमार यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। वाद विवाद प्रतियोगिता में पक्ष में वर्षिता दत्ता प्रथम एवं विपक्ष में हेमांग सिंह बघेल ने प्रथम स्थान प्राप्त करने में सफल रहे। भाषण प्रतियोगिता में प्रगति पिपलोदिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय में चंद्रयान 3-की लैंडिंग का सीधा प्रसारण
देखते हुए विद्यार्थी |

इसरो ISRO
CHANDRAYAAN 3



प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों द्वारा अभिनय के माध्यम से चंद्रयान 3-की
सफलता एवं सूर्ययान के उद्देश्यों का मंचन

हिन्दी पखवाड़ा गतिविधियाँ

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विद्यालय में राजभाषा हिन्दी के उत्थान एवं उसकी समृद्ध परंपरा को जनजन तक पहुँचाने हेतु हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया । जिसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ कहानी वाचन, सुलेख प्रतियोगिता, चित्र-कला, कवि-सम्मलेन, निबंध लेखन, हिन्दी कार्यशाला, पुस्तक प्रदर्शनी, लोकगीत गायन, भाषण प्रतियोगिता, वाद-विवाद आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

YourQuote.

मैं हिन्दी हूँ... मुझे हिन्दी ही रहने दो।
मेरे भारतवर्ष के माथे पर सजी, बिन्दी ही रहने दो।
मैं हिन्दी हूँ... मुझे हिन्दी ही रहने दो।

पहचानो मेरे महत्व को,
बचालो मेरे अस्तित्व को,
अपनी बोली भले ही,
गुजराती, मराठी, तेलुगू या सिंधी ही रहने दो।
मैं हिन्दी हूँ... मुझे हिन्दी ही रहने दो।

मातृ भाषा हूँ मैं इस देश की,
परिभाषा हूँ मैं विशेष सी ।
जो अनभिज्ञ हैं मेरे अस्तित्व से,
उन्हें फिरंगी ही रहने दो।
मैं हिन्दी हूँ... मुझे हिन्दी ही रहने दो।

मत बाटों मुझे टुकड़ों में,
मेरा रंग, रूप, आकर सब बिगड़ जाएगा।
अगर मैं ही न रही,
तो देश अपनी पहचान कैसे बताएगा ?
कहाँ से लाओगे फिर वो भाषा जिसे पूरा देश जानता है।
राष्ट्रभाषा न सही राजभाषा तो मानता है।
रखो चाहे जुबान पर कोई भी भाषा तुम,
पर तुम्हारे मेरे बीच मैं एक संधि ही रहने दो।
मैं हिन्दी हूँ... मुझे हिन्दी ही रहने दो।

— तरुण मेहरा.



कहानी वाचन



पुस्तक-प्रदर्शनी

पुस्तक में होती नई खोज, पुस्तक से मिलती नई सोच...!



हिन्दी कवि सम्मलेन-

“कविता वह सुरंग है जिसके भीतर से मनुष्य एक विश्व को छोड़कर दूसरे विश्व में प्रवेश करता है।”
-रामधारी सिंह 'दिनकर'



****लोकगीत****



निबंध लेखन



सी.सी.ए.कार्यक्रमों में हिन्दी भाषा



हिन्दी भाषा में अपने विचार साझा करने व सूचनाओं के आदान-प्रदान के उद्देश्य से समय-समय पर किसी एक विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें विद्यार्थी बड़े उत्साह से भाग लेते हैं व खुलकर अपने विचार अपनी भाषा में पक्ष या विपक्ष के रूप में रखते हैं।

वृक्षारोपण

पेड़ लगाओ

पेड़ लगाओ, पेड़ लगाओ,
हरा भरा जीवन बनाओ।
छाया ये हमको देते हैं,
फल ये हमको देते हैं।
बाढ़ से हमको बचाते हैं,
प्रदूषण दूर हटाते हैं,
हम भी पेड़ लगाएँगे,
संसार को हरा-भरा
बनाएँगे।



****स्वच्छता पखवाड़ा****

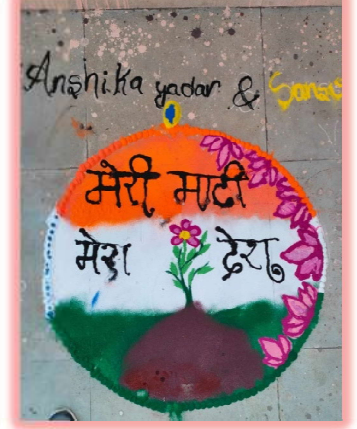


स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत दिनांक 2 अक्टूबर 2023 को विद्यालय परिश्र के आस-पास शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा सफाई अभियान प्रारंभ किया। विद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा भी अपने विभाग से सम्बंधित कक्षों में सफाई कर विद्यालय के सौन्दर्यीकरण में अपनी भूमिका अदा की।

“हर नागरिक का हो ये सपना, स्वच्छ हो सम्पूर्ण भारत अपना।”



मेरी माटी मेरा देश



पोषण सप्ताह



पोषण युक्त आहार खाओ, सदैव अच्छी सेहत पाओ ।

खेल प्रतियोगिताएं

खेल समझाते हैं मानव-शक्ति और बुद्धि का अर्थ, तभी तो प्रतिभागी बड़े से बड़े लक्ष्यों को पाने में होते हैं समर्थ ।



विजेता दल अंडर-17 बालक (क्रिकेट)



विजेता दल अंडर-14 बालक (क्रिकेट)

विद्यालय में संपन्न क्षेत्रिय खेल प्रतियोगिता (क्रिकेट) में विद्यालय के कनिष्ठ एवं वरिष्ठ दोनों ही दलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रतियोगिता में विजय हासिलकी।



खेलो एम.पी. में बॉक्सिंग में स्वर्ण पदक विजेता छात्र स्तुति ।

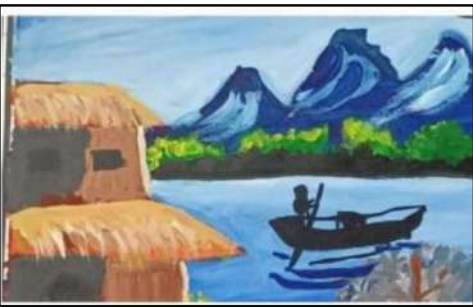
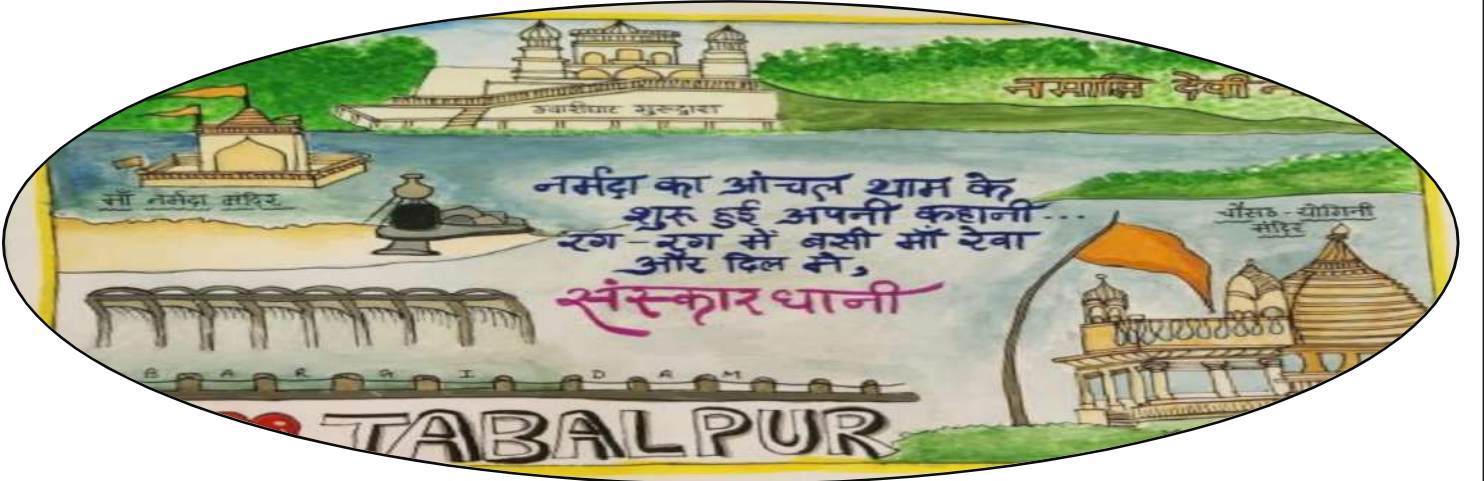
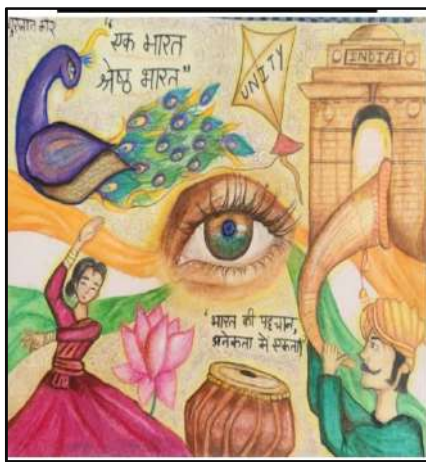
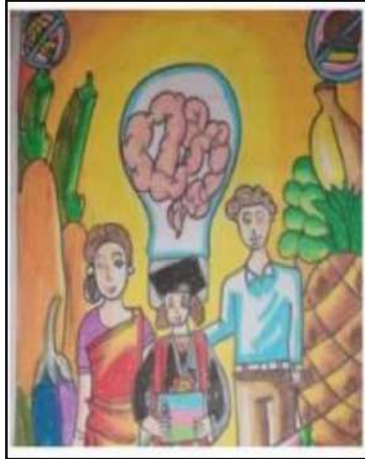
शैक्षणिक भ्रमण

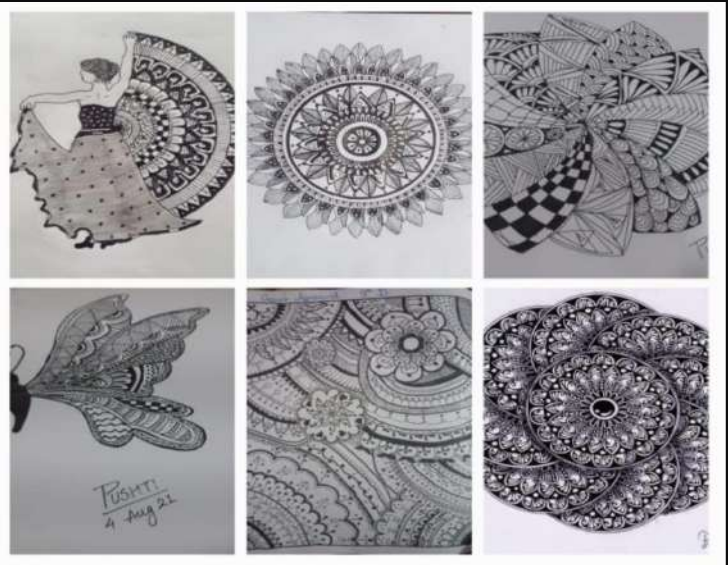
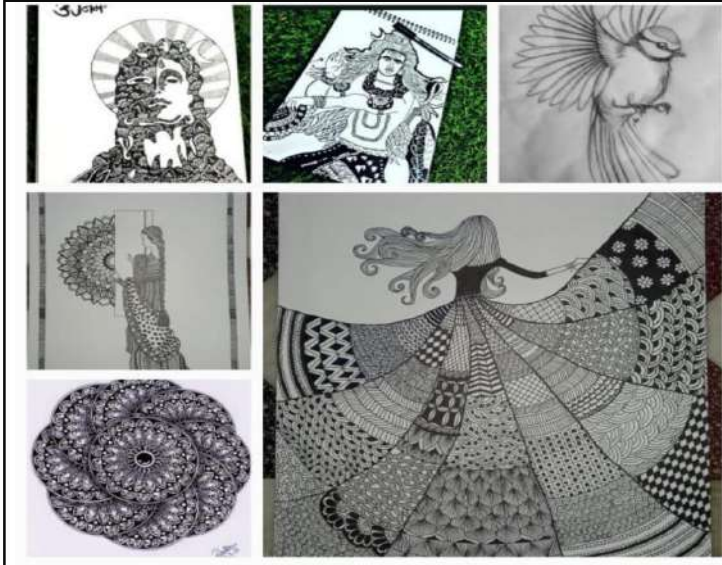


दिनांक 12 अक्टूबर 2023: विद्यालय के छात्र-छात्रों द्वारा उष्णकटिबंधीय वन अनुसन्धान संस्थान, जबलपुर में शैक्षणिक भ्रमण किया और तरह-तरह के वन्य प्राणी, उनका जीवन, जैव विविधता और जैव संरक्षण के तरीके समझे। इसके अलावा वनस्पतियाँ और उनके संरक्षण को भी छात्र-छात्राओं ने करीब से जाना।

कलाकारियाँ

“कला सौन्दर्य प्रदर्शन की वस्तु है, छिपाने की नहीं।





मैं कलाकार हूँ, अनदेखे रूप का आकार हूँ
 मैं कल्पना का आधार हूँ
 मैं कला और मन के बीच का प्यार हूँ
 मैं वसन्त में पतझर, पतझर में कलियों की
 सौगात हूँ
 मैं वो जो जिन्दगी के पहले
 और जिन्दगी के बाद हूँ
 मैं दो जहानों के बीच का एक
 अकेला तार हूँ, मैं कलाकार हूँ।
 -संकलित

मैं चित्रकार हूँ.
 रंगों से शब्द लिखता हूँ।
 शांत रहता हूँ,
 रंगों से खेला करता हूँ,
 चुप रहता हूँ, फिर भी सब कहता हूँ,
 बेजान कोरे कागज में भी जान भरता हूँ,
 हाँ मैं कलाकार हूँ, कलाकारियाँ करता हूँ
 -तरुण मेहरा



धन्यवाद